भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 1 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2023 तक "हिन्दी चेतना मास समारोह" मनाया गया

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में **"हिन्दी चेतना मास समारोह"** का उदघाटन 1 सितम्बर, 2023 को ब्यूरो के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती बी. के. हेमा, हिंदी अधिकारी, इस्टरैक (ISRO-ISTRAC), बेंगलूरु, ब्यूरो के विभागाध्यक्ष- जननद्रव्य संग्रहण और लक्षणीकरण, डॉ. सुनील जोशी, विभागाध्यक्ष- जननद्रव्य संरक्षण और उपयोगिता, विभागाध्यक्ष- जीनोमिक संसाधन डॉ. टी. वेंकटेशन और प्रशासनिक अधिकारी, श्री जे. मैथ्यु ने दीप प्रज्वलित करके **"हिन्दी चेतना मास समारोह"** कार्यक्रम का उदघाटन किया।

उद्घाटन के उपरांत **"हिंदी दिवस"** के अवसर पर माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्री नरेंद्र सिंह तोमर तथा भा.कृ.अनु.प. के माननीय सचिव एवं महानिदेशक, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. हिमांशु पाठक की अपील को उपस्थित प्रतिभागियों को पढ़कर सुनाया।

ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश को एकता की डोर में बाँधने का काम अगर कोई एक भाषा कर सकती है तो वो देश में सर्वाधिक बोले जाने वाली हिंदी भाषा है। निदेशक महोदय ने राजभाषा के सरल उपयोग और कार्यान्वयन की महत्ता पर बल दिया। निदेशक महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुवाद करते समय ऐसे शब्दों का चयन करना चाहिए जो कि आम-जनता की प्रचलन या बोलचाल और उनको समझ में आने वाली भाषा हो।

"हिन्दी चेतना मास समारोह" कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती बी. के. हेमा, ने अपने व्याख्यान में हिंदी राजभाषा की भूमिका और उसके महत्वपूर्ण योगदानों की रोचक जानकारी विस्तृत रूप से प्रतिभागियों को दी। उन्होंने कहा कि आज जब भारत देश "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है उस समय हिन्दी चेतना मास मनाने का दायित्व और भी बढ़ जाता है।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में "हिन्दी चेतना मास समारोह" आयोजन का उद्घाटन

"हिन्दी में वैज्ञानिक आलेख प्रस्तुतीकरण" का आयोजन 12 सितम्बर, 2023 को ब्यूरो के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि सभी कर्मचारियों को ब्यूरो में संवैधानिक कार्यपालन के लिए राजभाषा में कार्य करना चाहिए और राजभाषा में किये गए कार्यों पर गर्व करना चाहिए। तदोपरांत हिन्दी में वैज्ञानिक आलेख प्रस्तुतीकरण का आयोजन किया गया, जिसमें ब्यूरो के वैज्ञानिकों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

"हिन्दी में वैज्ञानिक आलेख प्रस्तुतीकरण" का आयोजन

"हिन्दी चेतना मास समारोह" कार्यक्रम के दौरान संवाद/भाषण एवं वाक्य बनाने की प्रतियोगिता, हिन्दी में वैज्ञानिक आलेख प्रस्तुतीकरण, द्विभाषी टिप्पण और मसौदा लेखन तथा हिंदी गीत/कविता गायन कार्यक्रम आयोजित किये गए। इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो के अधिकारियों/ कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

ब्यूरो में हिंदी चेतना मास समारोह के समापन के अवसर पर राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, बेंगलूरू से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक, राजभाषा विभाग (कार्यान्वयन), का ब्यूरो के निदेशक महोदय डॉ. एस. एन. सुशील ने स्वागत किया।

ब्यूरो के निदेशक महोदय डॉ. एस. एन. सुशील ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि राजभाषा हिंदी का सरकारी कार्यालयों में दिन-प्रतिदिन के कार्यों के माध्यम से करने पर प्रचार-प्रसार करने में मदद मिलती है। आज के परिपेक्ष में राजभाषा हिंदी अतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपना प्रभाव और वर्चस्व दिखाने में सफल रही है। हमें अपनी नवीन तकनीकों को किसानों और शोधकर्ताओं तक पहुँचाने के लिए उनकी सरल भाषा के माध्यम से पहुँचाने में सफलता मिल सकती है अतः हमें तकनीकी और वैज्ञानिक पत्रिकाएं सरल भाषाओं में लिखनी चाहियें।

निदेशक महोदय डॉ. एस. एन. सुशील ने कहा कि ब्यूरो में पूरे एक माह तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन करते हुए हिंदी चेतना मास समारोह सफलतापूर्वक मनाया और इसमें ब्यूरो के समस्त कर्मचारी एवं अधिकारी सक्रिय रूप से भाग लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

तदोपरांत, हिंदी चेतना मास समारोह के मुख्य अतिथि श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक, राजभाषा विभाग (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), गृह मंत्रालय, भारत सरकार, बेंगलूरू ने अपने सम्बोधन में सरकारी कार्यालयों में सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने और समस्त सांविधिक एवं कानूनी उपबंधों का पालन सुनिश्चित करने की दृष्टि से, अनेक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्वों का निर्वहन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

श्री अनिर्बान कुमार विश्वास ने कहा कि राजभाषा विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध कंठस्थ अनुवाद टूल है जोकि ट्रांसलेशन मेमोरी पर आधारित सिस्टम है जिसे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग द्वारा विकसित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है।

श्री अनिर्बान कुमार विश्वास ने केन्द्रीय हिंदी निदेशालय एवं वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिंदी शब्द सिंधु तैयार किया गया है इसमें लगभग 3,50,000 शब्द शामिल किए जा चुके हैं। हिंदी शब्द सिंधु के बारे में उन्होंने विस्तार से हिंदी चेतना मास समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जानकारी प्रदान की।

श्री सतेंद्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ ही हिंदी चेतना मास का समापन हुआ।

INSECT RESOURCES
Bengaluru - 560 024

ब्यूरो में हिंदी चेतना मास समारोह के समापन के अवसर पर ग्रुप फोटो